No. of Printed Pages : 3

बी.बी.एच.एफ.-001

00601

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून , 2012

Course Code : BBHF-001

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक :50*

नोट : ***सभे*** *प्रश्नन के उत्तर देवे के बा।*

1. नीचे लिखल शब्दन के सही वर्तनी लिखीं। 5

(क) संग्या

(ख) लवकिक

(ग) बर्तन

(घ) 'साराश

(ङ) बार्नी

2. मानक भोजपुरी के तीन गो विशेषता बताईं। 5

3. खाली जगह में सही शब्द भरीं। 5

(क) कबीर साहेब __________ के रहनी। (बनारस/प्रयाग)

(ख) तीज __________ लोग के व्रत ह। (स्त्री/पुरुष)

(ग) सिद्धन के संख्या __________ मानल जाला।

(चौरासी/बावन)

(घ) होली __________ ह। (व्रत/त्योहार)

(ङ) भोजपुरी के __________ तेजी से हो रहल बा।

(मानकीकरण/ह्रास)

4. नीचे लिखल शब्दन के बहुवचन बनाईं। 5

(क) गाँव

(ख) लइका

(ग) बालू

(घ) वकील

(ङ) रउआ

5. 'अछूत के शिकायत' कविता के भाव का बा? विस्तार से लिखीं। 7

6. संत परम्परा के कवनो एक भोजपुरी कवि के व्यक्तित्व पर संक्षिप्त निबंध लिखीं। 5

7. नीचे लिखल कवितांश के सप्रसंग व्याख्या करीं। 7

नर-समाज जब करवट लेला,
जुग बदलेला, क्रान्ति मचेला।
टूटेला सब बंधन-माया,

चूमे पद परिवर्तन-छाया।
अटल हिमालय जब डोलेला,
सब सूतल सपना बोलेला।
कड़क उठेला बज्र गगन में,
किरन नचेला सावन-घन में।
उमड़ेला परिप्लावन मन में,
मुक्ति मिलेला तब बन्धन में।।

8. नीचे लिखल में से कवनो एगो पर 300 शब्दन में निबंध लिखीं। 7

(क) 'मेहरारुन के दुरदसा' नाटक के उद्देश्य।

(ख) भोजपुरी लोक कला।

(ग) भोजपुरी सिनेमा

9. नीचे लिखल विषयन में से कवनो एगो पर 150 शब्दन में टिप्पणी लिखीं। 4

(क) वार्तालाप

(ख) भोजपुरी लोकगाथा

(ग) समाचार संपादन

No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-1

08603

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। पहला प्रश्न **अनिवार्य** है।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से ***किन्हीं तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3x12=36**

    (a) इस दृश्य को देख सकने की ताब चौधरी में न थी, परन्तु द्वार पर खड़ी भीड़ ने देखा–घर की लड़कियाँ और औरतें परदे के दूसरी ओर घटती घटना के आतंक से आँगन के बीचो–बीच इकट्ठी हो खड़ी काँप रही थीं। सहसा परदा हट जाने से औरतें ऐसे सिकुड़ गयीं जैसे उनके शरीर का वस्त्र खींच लिया गया हो। वह परदा ही तो घर–भर की औरतों के शरीर का वस्त्र था। उनके शरीर पर बचे चीथड़े उनके एक–तिहाई अंग ढकने में भी असमर्थ थे।

(b) वकील साहब को उनके दम्पत्ति-विज्ञान ने सिखाया था कि युवती के सामने खूब प्रेम की बातें करनी चाहिए। दिल निकालकर रख देना चाहिए, यही उसके वशीकरण का मुख्य मंत्र है। इसलिए वकील साहब अपने प्रेम-प्रदर्शन में कोई कसर न रखते थे, लेकिन निर्मला को इन बातों से घृणा होती थी। वही बातें, जिन्हें किसी युवक के मुख से सुनकर उसका हृदय प्रेम से उन्मत्त हो जाता, वकील साहब के मुँह से निकलकर उसके हृदय पर शर के समान आघात करती थी। उसमें रस न था, उल्लास न था, उन्माद न था, हृदय न था, केवल बनावट थी, धोखा था और था शुष्क, नीरस शब्दाडम्बर।

(c) मैंने भरसक इस घर की मर्यादा की रक्षा की है। तुम्हारी आज्ञा का पालन किया है। देखो विजय, रामनारायण बिना खाये-पीये मेरे इन पूर्वजों के सामने हाथ जोड़े मौन खड़ा रहेगा। समझे! यही हमारे वंश का दंड है उसके लिए, जो हमारे नियम भंग करते हैं। (चुप रहता है) मैंने सुना है, देखा नहीं कि दादा जी के समय में कोई संबंधी इस कमरे में घुस कर ज़ोर से चिल्लाया तो उन्होंने उसे सात दिन तक निराहार रहकर खड़े रहने का आदेश दिया था। जब वह मूर्च्छित हो गया तो उसे खाट से बाँध कर खाट खड़ी कर दी गई थी। वंश-मर्यादा को तोड़ना साधारण बात नहीं, विजय!

(d) कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहता हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-सम्पत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव, नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो।

(e) जहाँ आदमी को अपनी ज़िंदगी मज़ेदार बनाने के लिए खाने, पीने, चलने, फिरने, आदि की जरूरत है वहाँ बातचीत की भी हमको अत्यंत आवश्यकता है। जो कुछ मवाद या धुँवा जमा रहता है वह बातचीत के ज़रिये भाप बन बाहर निकल पड़ता है। चित्त हलका और स्वच्छ हो परम आनन्द में मग्न हो जाता है।

2. कहानी और उपन्यास की तुलनात्मक विशेषताएँ बताइए। 16

3. हिंदी गद्य के विकास के कारणों का उल्लेख कीजिए। 16

4. 'एक था पेड़ और एक था ठूँठ!' निबंध की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 16

5. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की कथावस्तु का महत्त्व बताइए। 16

6. 'जोंक' शीर्षक एकांकी के संरचना-शिल्प का विवेचन कीजिए। 16

7. 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर निर्मला का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

8. 'आकाश-दीप' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 16

9. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x8=16

(a) स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कहानी

(b) 'शतरंज के खिलाड़ी' की भाषा-शैली

(c) 'ध्रुवस्वामिनी' की प्रासंगिकता

(d) 'मित्रता' का प्रतिपाद्य

(e) 'कौमुदी-महोत्सव' का रचना-शिल्प